कानून को ठेंगा | लवली, चतुरा, वस्मी-भूत ने शहडोल-अनूपपुर पुलिस को दी खुली चुनौती

घोड़ी के नाम पर जुए में लग रहा लाखों का दांव

अनूपपुर/चाचाई। इन दिनों शहडोल एवं अनूपपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में शादी-ब्याह में नाचने वाली घोड़ी अब अनूपपुर और शहडोल के जंगलों में जुए का सबसे खतरनाक खेल बन चुकी है। लवली, चतुरा,वस्मी-भूत जैसे नामचीन जुआरी खुलेआम कानून को ठेंगा दिखाते हुए लाखों का दांव लगवा रहे हैं और हैरानी की बात यह है कि यह पूरा खेल पुलिस की नाक के नीचे बेखौफ चल रहा है।

चाचाई थाना क्षेत्र इन दिनों जुए के एक बड़े अड्डे में तब्दील हो चुका है, जहां 'घोड़ी' के नाम पर रोजाना लाखों रुपए का खेल संचालित हो रहा है। यह कोई छोटा-मोटा खेल नहीं, बल्कि संगठित जुए का ऐसा नेटवर्क है, जिसे लवली, चतुरा, वस्मी-भूत जैसे शातिर खिलाड़ी चला रहे हैं। इनकी हिम्मत इस कदर बढ़ चुकी है कि ये सीधे-सीधे अनूपपुर और शहडोल जिले की पुलिस को चुनौती दे रहे हैं।

घोड़ी के नाम पर सज रहे बड़े फड़

सूत्रों के अनुसार, चचाई थाना अंतर्गत जंगलों में दोपहर 1 बजे से लेकर रात 11 बजे तक घोड़ी का बड़ा फड़ सजता है। यहां अनूपपुर, कोतमा, अमलाई, धनपुरी, बुढ़ार और शहडोल क्षेत्र से 60 से 70 से अधिक जुआरी रोज पहुंचते हैं। हर दिन 50 से 60 लाख रुपये तक का दांव लगाया जाता है, जहां जीत कम और बर्बादी ज्यादा होती है।

सुनियोजित तरीके से युवाओं को बनाता है शिकार

इस पूरे खेल की कमान लवली, चतुरा, और वस्मी-भूत के हाथों में है। ये लोग न केवल जुए का संचालन करते हैं, बल्कि नए युवाओं को जाल में फंसाकर मिनटों में उनकी जेब खाली कर देते हैं।

बड़े-बड़े 'बुक' और 'नाल' के जरिए लाखों रुपये की वसूली की जाती है। एक-एक बुकी 5 से 10 लाख रुपये तक लेकर बैठता है और नए खिलाड़ियों को सुनियोजित तरीके से लूटता है।

दोनों जिलों की पुलिस बेबस

सबसे गंभीर आरोप चाचाई पुलिस की भूमिका पर उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना पुलिस की मिलीभगत के इतने बड़े स्तर पर जुए का संचालन संभव ही नहीं है। आरोप है कि कुछ पुलिसकर्मी इस खेल के एवज में मोटे 'नजराने' ले रहे हैं, जिससे यह अवैध कारोबार महीनों से बेखौफ जारी है। यह स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब यह समझ आता है कि शहडोल और अनूपपुर दोनों जिलों की पुलिस इस पूरे नेटवर्क के सामने बेबस नजर आ रही है। या तो पुलिस पूरी तरह अनजान बनी हुई है, या फिर जानबूझकर आंखें मूंदे बैठी है। दोनों ही हालात कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करते हैं। लवली, चतुरा, और वस्मी-भूत ने जिस तरह से जुए का यह साम्राज्य खड़ा किया है, उसने न सिर्फ युवाओं को बर्बादी की राह पर धकेल दिया है, बल्कि पुलिस व्यवस्था की साख को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पुलिस इस खुली चुनौती को स्वीकार कर कार्रवाई करेगी, या फिर यह घोड़ी का खेल यूं ही कानून को रौंदता रहेगा?

दरकते घर, गिरते बर्तन और बढ़ता आक्रोश

▶ अमलाई ओसीएम की बेकाबू हैवी ब्लास्टिंग से लोगों में दहशत

धनपुरी/सोहागपुर। अमलाई OCM खदान में जारी बेकाबू और लगातार हो रही हैवी ब्लास्टिंग अब स्थानीय नागरिकों के लिए गंभीर संकट बनती जा रही है। ओवरबर्डन हटाने के नाम पर प्रतिदिन किए जा रहे तेज धमाकों ने धनपुरी नगर के कई वार्डों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। हालात यह हैं कि लोगों के घरों की दीवारें और छतें दरकने लगी हैं, प्लास्टर झड़ रहा है और कंपन इतना तेज होता है कि घरों के भीतर रखा सामान तक सुरक्षित नहीं रह पा रहा।

वार्ड क्रमांक 16 निवासी असलम बाबा ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि ब्लास्टिंग के दौरान होने वाले कंपन से उनके घर के कीमती कांच के बर्तन अलमारियों और रैक से गिरकर टूट जाते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इस नुकसान की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? 'हम लोग अपने ही घरों में सुरक्षित नहीं हैं। हर दिन यह डर बना रहता है कि अगला धमाका क्या नुकसान कर जाएगा,' उन्होंने

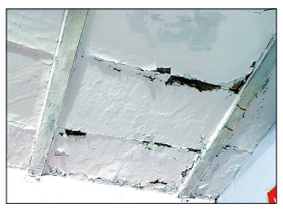

कहा। बिना पर्याप्त सुरक्षा मानकों का पालन किए कर रहे ब्लास्टिंग स्थानीय लोगों का आरोप है कि एसईसीएल के महाप्रबंधक की मनमानी और अमलाई प्रबंधन की तानाशाही के चलते बिना पर्याप्त सुरक्षा मानकों का पालन किए अंधाधुंध ब्लास्टिंग की जा रही है। उनका कहना है कि कोयला उत्पादन बढ़ाने की होड़ में आम जनता की सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो कभी भी कोई बड़ी और गंभीर दुर्घटना घट सकती है।

हर बार केवल आश्वासन देकर टाल रहा प्रबंधन-नागरिकों के अनुसार, कई बार इस संबंध में शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। हर

घरों में रहना असुरक्षित महसूस कर रहे परिवार

स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ब्लास्टिंग के समय पूरा क्षेत्र हिलने लगता है। ऐसा प्रतीत होता है कि मानो भूकम्प आ गया है। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं खास तौर पर दहशत में आ जाते हैं। कई परिवारों ने तो अपने घरों में रहना तक असुरक्षित मानना शुरू कर दिया है। लोगों का कहना है कि यह सिर्फ संपत्ति का नुकसान नहीं, बल्कि जान का भी खतरा है।

क्षेत्रीय लोगों ने दी आंदोलन की चेतावनी- स्थानीय निवासियों ने इस मुद्दे पर गहरा आक्रोश जताते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही हैवी ब्लास्टिंग पर नियंत्रण नहीं लगाया गया और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। उनका कहना है कि इस तरह की लापरवाही और तानाशाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से ब्लास्टिंग की तीव्रता कम की जाए, प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिया जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। फिलहाल, धनपुरी के लोगों के लिए हर दिन और हर धमाका एक नई चिंता और डर लेकर आ रहा है, जबकि जिम्मेदार विभाग अब भी चुप्पी साधे हुए हैं।

राष्ट्रपति व मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित हुईं रिचा

शहडोल। जिले के बुढ़ार में निवास करने वाली रिचा शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं और उन्होंने अपनी पढ़ाई के दौरान लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कॉलेज में उन्होंने न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में बल्कि विभिन्न तकनीकी गतिविधियों एवं प्रोजेक्ट्स में भी सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे उनकी प्रतिभा और मेहनत का प्रमाण मिलता है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। रिचा के पिता राज कुमार गुप्ता, जो कि अमलाई नंबर तीन (धनपुरी) में शिक्षक हैं, तथा माता प्रीति गुप्ता, केशरवानी महिला समिति की अध्यक्ष हैं, ने बेटी की इस सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उसकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने

बताया कि रिचा हमेशा से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रही हैं।

बुढ़ार (बनियान टोला) निवासी रिचा केशरवानी ने सिविल इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, विक्रम विश्व विद्यालय, उज्जैन से बीटेक में गोल्ड मेडल प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह सम्मान उन्हें राज्यपाल मंगू भाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए रिचा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। रिचा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं मित्रों को दिया है और कहा कि वह भविष्य में भी इसी तरह मेहनत कर देश और समाज के लिए योगदान देना चाहती हैं।

मिनी ब्राजील विचारपुर में बनेगा आधुनिक फुटबॉल स्टेडियम

शहडोल । विधानसभा क्षेत्र जयसिंहनगर की विधायक मनीषा सिंह के निवास पर ग्राम विचारपुर (मिनी ब्राजील) के फुटबॉल खिलाड़ियों एवं कोचों ने शिष्टाचार भेंट कर प्रस्तावित फुटबॉल स्टेडियम निर्माण के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान विधायक मनीषा सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। ग्राम विचारपुर में 5.10 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले फुटबॉल स्टेडियम से क्षेत्र के खिलाड़ियों को अभ्यास एवं प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि विचारपुर के खिलाड़ियों ने अपने जुनून, कौशल और समर्पण से मिनी ब्राजील के रूप में देश-विदेश में पहचान बनाई है, जो पूरे शहडोल जिले के लिए गौरव की बात है।

जब नियमों का पालन ही नहीं करना तो क्यों बनाए गए नियम

धनपुरी । कहने को तो एसईसीएल सोहागपुर एरिया में नियमों के पालन करने को लेकर नियम तो बना दिए जाते हैं लेकिन बनाए गए इस नियम का पालन कितना होता है इसकी तस्वीर एरिया महाप्रबंधक कार्यालय से लेकर एरिया कार्मिक प्रबंधन कार्यालय तक देखा जा सकता है जहां पर हर तरफ अघोषित पार्किंग स्थल नजर आ रहा है ना कोई नियम नजर आते हैं और ना जिम्मेदार इस पर ध्यान देते हुए नजर आते?

पहले बात अगर महाप्रबंधक कार्यालय के बाहर को लेकर की जाए तो यहां पर बड़ी संख्या में बड़े-बड़े वाहन सड़क के दोनों तरफ खड़े नजर आते हैं जिस

कारण से मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध होता हुआ नजर आता है वैसे तो यहां पर इस बात का नियम बनाया गया है की वाहन पार्किंग यहां ना किया जाए लेकिन फिर सवाल वही उठता है कि आखिर नियम का पालन कहां हो रहा है एरिया सुरक्षा अधिकारी का कार्यालय जो यहीं पर मौजूद है जो शायद प्रतिदिन इस तस्वीर को देखते हैं लेकिन इसके बाद भी कार्यवाही कुछ नहीं जो कई सवाल भी खड़े करती है?

अब महाप्रबंधक कार्यालय के अंदर ही देखा जाए तो यहां पर भी तस्वीर कुछ ऐसी ही देखने को मिलती है बड़ी संख्या में छोटे-छोटे वाहन नियमों की अनदेखी कर खड़े रहते हैं जो शायद अपने साथ कई सवाल भी खड़े करते हैं अब बात एरिया के कार्मिक प्रबंधक कार्यालय को लेकर की जाए तो यहां का मैदान परिसर पूरी तरह से नियमों के अनदेखी करते हुए नजर आती है जिसकी जहां मर्जी वही अपना वाहन खड़ा कर देते हैं और इस कारण से लोगों को कितनी परेशानी होती है इस बात को भी देखा जा सकता है यह तस्वीर ऐसे स्थान पर नजर आती है जहां पर एरिया के सभी बड़े अधिकारी के कार्यालय मौजूद हैं महाप्रबंधक कार्यालय के ठीक बगल में कार्मिक प्रबंधन का कार्यालय मौजूद है जो इन नियमों के अनदेखी को लेकर सबसे अधिक चर्चा का कारण बनती है सवाल इस बात कभी उठना है कि आखिर एरिया का सुरक्षा विभाग अपनी कौन सी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही है जो नियम होने के बाद भी नियमों की अनदेखी में ही अपने कर्तव्यों का पालन समझ रही है देखना होगा व्यवस्थाओं को सुधारने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाए जाते हैं या फिर जैसा चल रहा है वैसा ही तस्वीर आगे भी देखने को मिलती रहेगी?

पुलसिया धौंस पर न्यू बरौंधा में शासकीय जमीन पर कांस्टेबल का अवैध कब्जा

ब्योहारी। इन दिनों ब्योहारी में नदी, तालाब और शासकीय पड़ी जमीन को हथियाने मे लोगों की होड़ सी लगी हुई है।प्रशासन की ढुलमुल रवैया के चलते इन भू माफ्यिाओं पर ठोस कार्यवाही न होने की वजह से हालात यह है कि लोग किसी की बात सुनने को तैयार नहीं है और न ही उन्हें किसी प्रकार का प्रशासन का भय है बल्कि धड़ल्ले से निर्माण कार्य करा शासकीय जमीन को कब्जीयाने मे लगे है। सरकार के सख्त निर्देश के बाद भी ब्योहारी मे भू माफ्यिाओं पर ठोस कार्यवाही नहीं हो रही है। नगर परिषद ब्योहारी के वार्ड क्रमांक 09 न्यू बरौधा मे शासकीय जमीन पर खाखी की धौस और रसूख के दम पर सरकारी जमीन को कब्जियाने का मामला प्रकाश में आया है।

लम्बे समय तक ब्योहारी थाना मे पदस्थ रहे हेड कांस्टबल ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की बाउंड्रीबाल खड़ी की जा रही है। ताज्जुब की बात यह है तहसीलदार ब्योहारी के मना करने के बाद भी साहब की दबँगई कम होने का नाम नहीं ले रही है।

साहब की गैर मौजूदगी में मैडम की निगरानी में हो रहा निर्माण

सूत्रों का कहना है ज़ब हेड कांस्टबल साहब डियूटी में होते है तब उनके गैर मौजूदगी मे उनकी पत्नी जो स्वयं सरकारी शिक्षिका है वो खड़ी होकर निर्माण कार्य की कमान संभालती है। एक तरफपति क़ानून का रखवाला है और दूसरी तरफ पत्नी भविष्य की निर्माता है लेकिन दोनों मिलकर सरकारी सम्पत्ति को अपना बनाने के खेल मे मशगूल है। स्थानीय लोगों ने ज़ब इसका विरोध किया तब उन्हें खाखी का धौस दिखाकर खामोश करने की कोशिश की गयी।

तहसीलदार के आदेश को ठेंगा

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत मिलने पर ब्योहारी तहसीलदार राजकुमार रावत और हल्का पटवारी बृजेंद्र मौर्य ने मौका मुआयना करते हुए तहसीलदार ने काम को रूकवाते हुए सरकारी जमीन पर कब्जा नहीं करने को कहा था। लेकिन क़ानून को अपनी जेब मे रखने वाले इस हेड कांस्टबल ने तहसीलदार के आदेश को ठेंगा दिखा दिया और सरकारी छुट्टीयों का फायदा उठाते हुए ज़ब दफ्तर बंद थे तब बड़ी संख्या मे लेबर लगाकर बाउंड्रीबाल का काम तेज कर दिया गया। यह न केवल तहसीलदार के आदेश की अवहेलना है बल्कि सीधे तौर पर

वर्दी बनी जमीन हड़पने का औजार - अवैध कब्जे को लेकर स्थानीय लोगों मे भारी आक्रोश देखा जा रहा है। उनकी मांग है कि तत्काल बाउंड्रीबाल को ध्वस्त कर सरकारी जमीन को खाली कराया जाय और कब्जा करने वाले हेड कांस्टेबल एवं सहयोगी शिक्षिका उनकी पत्नी के खिलाफअनुशासनात्मक कार्यवाही हो जिससे भविष्य मे कोई सरकारी जमीन पर कब्जा करने की हिम्मत न जुटा सके। लोगों का कहना है की ज़ब क़ानून की रक्षा करने वाला वर्दी ही जमीन हड़पने का औजार के रूप मे इस्तेमाल होने लगे तो आम जनता का भरोसा सिस्टम से उठने लगता है।कलेक्टर और एसपी को इस मामले मे जीरो टालरेंस की नीति अपनानी चाहिये।

इनका कहना है

जानकारी लगने पर पटवारी के साथ मुआयना करने गया था। सरकारी जमीन में कब्जा किया जाना पाये जाने पर कार्य को बंद करा दिया गया था। यदि काम हो रहा है तो दिखवाता हूँ। निश्चित ही कार्यवाही की जायेगी। **राजकुमार रावत, तहसीलदार ब्योहारी**

वृक्ष एवं जल स्त्रोत पूजन से दिया संरक्षण का संदेश

शहडोल। अपनी धरती को जल से समृद्ध बनाने और जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड सोहागपुर (जिला शहडोल) के तत्वावधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विकासखंड समन्वयक श्रीमती प्रिया सिंह बघेल ने किया। इस दौरान मोहन राम मंदिर परिसर में वृक्ष पूजन एवं जल स्रोत पूजन किया गया।

कार्यालय नगर परिषद् बकहो, जिला - शहडोल म.प्र.

नेशनल हाईवे मेन रोड बकहो (9755485693) E-mail-cmobakho.shahdol@mpurban.gov.in

क्रमांक / 499 / PMAY / न.परि./ 2025-26 बकहो, दिनांक 23/03/2026

अन्तिम दावा / आपत्ति सूचना

म.प्र. शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के पत्र क्रमांक एफ./एफ.यू.डी.एच./9/0009/2025/18-2 भोपाल दिनांक 17.03.2025 एवं संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास म.प्र. शासन भोपाल के पत्र क्रमांक-यां.प्र. 107/2025/3180 भोपाल दिनांक 18.03.2025 द्वारा दिये गये निदेर्शानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 (बी.एल.सी. घटक) के तहत् ऑनलाइन आवेदन पत्रों की जाँच कर पोर्टल में स्वीकृत करने के साथ-साथ पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार करने हेतु कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी सोहागपुर जिला-शहडोल, म.प्र. क्रमांक/प्र.सं.आ.यो./भौतिक सत्यापन /2025/785 दिनांक 21.04.2025 के द्वारा डियुटी लगाई गई थी। सभी कर्मचारियों द्वारा ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्र एवं दस्तावेजों अनुसार वार्डो मे जाकर स्थल निरीक्षण / परीक्षण पश्चात् चतुर्थ चरण हेतु पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार की गई है जिसका प्रकाशन दिनांक 23.03.2026 को कार्यालय के सूचना पटल पर किया गया है। प्रकाशित सूची में अगर किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो तो दस्तावेजी सबूतों के साथ दिनांक 30.03.2026 को दोपहर 11:00 बजे तक निकाय में प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके उपरांत किसी भी प्रकार के दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् बकहो
जिला - शहडोल (म.प्र.)

2 माह से नहीं मिला वेतन, अब महुआ बीनकर पेट पाल रहे अतिथि शिक्षक

गोहपारू । शिक्षा के मंदिर में ज्ञान का उजियारा फैलाने वाले राष्ट्र निर्माता आज व्यवस्था की बेरुखी के कारण अंधेरे में जीवन जीने को मजबूर हैं। मामला शहडोल जिले गोहपारू क्षेत्र का है, जहाँ पिछले दो महीनों से मानदेय (वेतन) न मिलने के कारण अतिथि शिक्षकों के सामने भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है।

सम्मान की जगह मजबूरी की डगर

हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में पदस्थ एक अतिथि शिक्षक अब सुबह स्कूल जाने से पहले जंगलों में महुआ के फूल बीनने को मजबूर हैं। जो हाथ ब्लैकबोर्ड पर भविष्य की इबारत लिखते थे, वे अब चंद रुपयों की आस में जमीन से महुआ चुन रहे हैं ताकि परिवार का चूल्हा जल सके। पीड़ित शिक्षक विकास सरकार द्विवेदी ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि पिछले दो महीनों से फूटी कौड़ी नहीं मिली है। दुकानदार अब उधार राशन देने से मना कर रहे हैं। बच्चों की फीस और घर के खर्च के लिए हमारे पास महुआ बीनने और उसे बेचने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है। हम पढ़ाएं या पेट की आग बुझाएं? जिले के सैकड़ों अतिथि शिक्षकों को जनवरी /फरवरी से वेतन नहीं मिला है। वेतन के अभाव में कई शिक्षक कर्ज के बोझ तले दब गए हैं। मानसिक तनाव और आर्थिक तंगी के कारण शिक्षकों का ध्यान शिक्षण कार्य से भटक रहा है, जिसका सीधा असर छात्रों के भविष्य पर पड़ रहा है। यह स्थिति हमारी शिक्षा व्यवस्था पर एक बड़ा सवालिया निशान लगाती है। यदि 'गुरु' को ही अपने अस्तित्व के लिए इस तरह संघर्ष करना पड़ेगा, तो हम किस 'विश्व गुरु' बनने का सपना देख रहे हैं? सरकार को चाहिए कि इस मानवीय संकट पर तुरंत संज्ञान ले।

इनका कहना है

हमें 2 माह से वेतन नहीं मिला है जिससे दुकानों में कर्ज हो चुका है इन बच्चों का फीस भी जमा नहीं हो पा रहा है जिससे हम महुआ बिने का सहारा ले रहे हैं।

विकास सरकार द्विवेदी
अतिथि शिक्षक

एन बी सी सी NBCC नवरत्न सीपीएसई

माननीय उच्चतम न्यायालय की निगरानी वाली आवास परियोजना लर्नेड कोर्ट रिसीवर के माध्यम से एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड द्वारा निष्पादित

ASPIRE

ई-नीलामी के माध्यम से मालसूची की थोक बिक्री

एस्पायर सिलिकॉन सिटी
फेज़-IV, सेक्टर-76, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- मालसूची आधुनिक सुविधाओं से युक्त 4 बी.एच. के. और विशाल डुप्लेक्स अपार्टमेंट
- स्पेक्ट्रम मॉल, नोएडा के पास और निकटतम मेट्रो स्टेशन नोएडा सेक्टर-50 (एक्वा लाइन) एवं सेक्टर-76 मेट्रो हैं तथा आनंद विहार आईएसबीटी और रेलवे स्टेशन 25 मिनट

एस्पायर लेज़र पार्क
टेकज़ोन-IV, ग्रेटर नोएडा (वेस्ट), उत्तर प्रदेश
- मालसूची-आधुनिक सुविधाओं से युक्त 3 बी.एच.के. एवं 4 बी.एच. के. के आलीशान अपार्टमेंट्स
- डीमार्ट के पास एवं आनंद विहार आईएसबीटी और रेलवे स्टेशन 30 मिनट

एन बी सी सी NBCC नवरत्न सीपीएसई

एस्पायर लेज़र वैली
टेकज़ोन-IV, ग्रेटर नोएडा (वेस्ट), उत्तर प्रदेश
- मालसूची-आधुनिक सुविधाओं से युक्त 3 बी.एच. के. एवं 4 बी. एच. के. के आलीशान अपार्टमेंट्स
- डीमार्ट के पास एवं आनंद विहार आईएसबीटी और रेलवे स्टेशन 35 मिनट

एस्पायर सेंचुरियन पार्क
टेकज़ोन-IV, ग्रेटर नोएडा (वेस्ट), उत्तर प्रदेश
- मालसूची-आधुनिक सुविधाओं से युक्त 3 बी.एच. के. एवं 4 बी. एच. के. के आलीशान अपार्टमेंट्स
- डीमार्ट के पास एवं आनंद विहार आईएसबीटी और रेलवे स्टेशन 30 मिनट

ई.एम.डी. जमा करने की अंतिम तिथि: 27.03.2026
ई-नीलामी 28.03.2026 को आयोजित की जाएगी
ई.एम.डी. राशि 9.70 करोड़ रु. से 20.90 करोड़ रु. तक
6 पैकेज जिनका मूल्य 485 करोड़ रु. से 1,045 करोड़ रु. तक है

कृपया अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें: www.nbccindia.in | www.receiveramrapali.in
या : 9772907414

कृपया ई-नीलामी दस्तावेज के लिए क्यू आर स्कैन करें::